MHD–03

एम. ए. हिन्दी (MHDOL)

उपन्यास एवं कहानी

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

नोट: 1. खण्ड 'क' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. खण्ड 'ख' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. खण्ड 'ग' से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×4=20)

1. 'गोदान' उपन्यास का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
2. 'मैला आँचल' उपन्यास के शीर्षक की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।
3. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के आधार पर भट्टिनी के चरित्र की चार विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
4. 'एक दिन का मेहमान' कहानी का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।
5. 'पुरस्कार' कहानी के केंन्द्रीय पात्र का परिचय दीजिए।
6. 'चीफ की दावत' कहानी के आधार पर वृद्ध माँ के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।
7. शिल्प की दृष्टि से 'पिता' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×10=50)

8. 'गोदान' उपन्यास के आधार पर होरी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

9. आंचलिकता के संदर्भ में 'मैला आँचल' का मूल्यांकन कीजिए।

10. 'रोज' कहानी के कथ्य और शिल्प पक्ष पर विचार कीजिए।

11. 'सूखा बरगद' उपन्यास के महत्व पर चर्चा कीजिए।

12. 'भोलाराम का जीव' कहानी के आधार पर हरिशंकर परसाई की कहानी- कला पर विचार कीजिए।

13. 'कर्मनाशा की हार' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

14. 'यह अन्त नहीं' कहानी की भाषा-शैली पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

खण्ड—ग

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2×15=30)

15. 'तिरिछ' कहानी के आधार पर शहरी आधुनिकता में लुप्त होती मानवीय संवेदना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

16. आंचलिकता के प्रमुख तत्वों के आधार पर 'मैला आँचल' का मूल्यांकन कीजिए।

17. नारी जागरण और नारी मुक्ति की दृष्टि से 'बाणभट्ट की आत्मकथा' पर प्रकाश डालिए।